भारत सरकार
वित्त मंत्रालय
केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो
19, माल रोड, मुरार, ग्वालियर – 474006

Government of India
Ministry of Finance
Central Bureau of Narcotics
19,The Mall, Morar, Gwalior (M.P.) - 474006

☎(PBX) : (91) 751-2368996/ 2368997; FAX: (91) 751-2368111/ 2368577; GRAM: NARCOM; E-MAIL: narcom@sancharnet.in

विश्व नशा मुक्ति दिवस, 26 जून, 2011 के अवसर पर आयोजित प्रतियोगिताओं का परिणाम

केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो, कार्यालय नारकोटिक्स आयुक्त,19,माल रोड, मुरार, ग्वालियर द्वारा जन–जागृति हेतु मादक पदार्थो के दुरूपयोग के विरूध्द 'अन्तर्राष्ट्रीय दिवस 26 जून 2011 के अवसर पर मादक पदार्थो के सेवन से बचने की प्रेरणा देने वाली स्वरचित कविता (Self Composed Poems) लिखने तथा नारा लिखने की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो को उपरोक्त दोनों प्रतियोगिताओं के लिए भारी मात्रा में रचनायें प्राप्त हुयी हैं। यह नशे के बढ़ते दुरूप्रयोग के प्रति समाज की जागरूकता को प्रदर्शित करता है। केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो सभी रचना भेजने वाले जागरूक नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त करता है।

प्राप्त सभी रचनाओं की जांच एक प्रबुद्ध समिति द्वारा करायी गयी है। वैसे तो सभी रचनायें अति महत्वपूर्ण हैं, इन रचनाओं में से समिति द्वारा सभी श्रेणियों में पायी गयी सर्वश्रेष्ठ तीन–तीन रचनायें निम्न प्रकार है:–

1. नारा लेखन प्रतियोगिता हिन्दी का परिणाम

स्थान	नारा	नारा भेजने वाले का नाम
प्रथम	सुखी जीवन का चुनो विकल्प,नशा मुक्ति का लो संकल्प।	श्री नवीन श्रीवास्तव पुत्र श्री आनंद स्वरूप श्रीवास्तव, 85, पुराना बस स्टैण्ड, डेनीडा रोड,करैरा,शिवपुरी,म.प्र.
द्वितीय	नशीले पदार्थ छोड दो अकाल मृत्यु को तोड दो।	श्री दीपक कुशवाह
तृतीय	उड़ती धूप बिखरती छाया, किया नशा तो जीवन गवॅाया	श्री गोपीराम उच्चैनिया, ए–2, गोविन्दपुरी, विश्वविघालय मार्ग, ठाटीपुर, ग्वालियर।

2. नारा लेखन प्रतियोगिता अंग्रेजी का परिणाम

स्थान	नारा	नारा भेजने वाले का नाम
प्रथम	Face the challenges, as they come in life, Resorting to drugs, is a double edge knife.	Mr. Savi Rohit Phone:0751-2324396
द्वितीय	Depression, Stress, anxiety, tension Drug abuse is no solution.	Ms. Sapna Amit Phone: 0751-2376987
तृतीय	Once you form the habit of smack, it is hard enough to leave it back.	Dr. A. Runwal A-21,HS Puram, Gwalior.

3. **स्वरचित कविता लेखन प्रतियोगिता /हिन्दी/ का परिणाम**

प्रथम पुरस्कार–

अवधेश शर्मा
ब्ब्ट डॉ. एस.एन.शर्मा, न्यू कोर्ट के सामने,
ब्संत बिहार कॉलोनी, हाउसिंग बोर्ड,मुरैना /म.प्र./

बीड़ी सिगरेट और तम्बाकू से मर गए कई इंसान,
न किसी को मिली खुशी, और ना मिला है जीवनदान।
शराब, अफीम,चरस और गांजा से पहुॅचाते है नुकसान,
तो फिर इन सब चीजों के चक्कर में कैसे फंस गया इंसान।
बढ़ रही युवा पीढ़ी इस ओर, करके बंद आंख और कान,
नहीं मालूम है उनको कि, इसमें नहीं उनका कल्याण।
क्यों अपने हाथों से, लिख रहे हो मौत का फरमान,
बड़ी मुश्किल से मानव जीवन देता है भगवान।
चरस, अफीम और हेरोइन के सेवन से होगा सिर्फ अपना नुकसान,
इन सब चीजों के दुष्प्रभाव को समझो हे नादान।
राम, रहीम कबीर और खान, नहीं करते थे धूम्रपान,
इन सबसे से थोड़ी सीख लो हे मूर्ख इंसान।
अंत में मेरा सबसे एक ही है अह्‌वान,
कि हे भारत के वीर सपूतो, छोड़ दो नशा और धूम्रपान।
और देश की उन्नति में दो अपना अहम् योगदान
अगर समय रहते नहीं छोड़ा नशा और धूम्रपान,
तो हे मानव तुझे करना पडेगा अपने जीवन का भुगतान।

द्वितीय पुरस्कार–

एल.एस.कुशवाह
ईएच.70, दीनदयाल नगर,, ग्वालियर

<u>रिश्तों में दरार</u>

अनाचार व्यभिचार और बलात्कार
दुर्घटनाएॅ पत्नी और बच्चों की चीत्कार
चोरी मारपीट और अन्य वारदातें
गरीबी भुखमरी और रिश्तों मे दरार
भरे–पूरे परिवार में अशान्ति ही अशान्ति
अंधकारमय भविष्य की काली छाया
भूख से बिलखते बच्चों की काया
वक्त के पहले ही बुढ़ापे की काया
वक्त के पहले ही बुढ़ापे की मार
मानवता की दानवता से हार
बहन बेटी के पावन रिश्तों में
प्रतिदिन आती गिरावट
आशा और विश्वास में
निरन्तर फैलती कड़वाहट
संवेदनाओं और भाईचारे में
हर पल हर घड़ी मिटती मिठास
सोचो विचारो और समझो
इन सभी बुराइयों की जड़
नशा है केवल नशा है
फिर वह चाहे गॉजा और चरस का हो
या फिर वह भॉग या शराब का हो।

तृतीय पुरस्कार–

विश्राम शाक्य भ/महीन/, सिग्नल बस्ती,
रेलवे लाइन के पास, कैलारस, जिला–मुरैना /म.प्र/

<u>नशा, धीमा जहर</u>

इंसान अब इतना, नशीला हो गया।
सर्प से ज्यादा, जहरीला होगया।।
एक गधे ने, मानव को काट लिया।
मानव तो बच गया, गधे ने दम तोड़ दिया।।
धन्य, हे मानव है, अजब तेरी कहानी।
जहर पचाने में तेरा, कोई नहीं सानी।।
चरस, अफीम, हेरोइन, गांजा और शराब।
मादक पदार्थ होते है, सेहत को खराब।।
बीड़ी, सिगरेट, तम्बाकू, की अच्छी नहीं लत।
गाल का होवे केंसर, पड़ें शरीर में खत।।
सिन्थेटिक्स ड्ग्स हैं, समाज के लिए घातक।
युवा वर्ग में असर, बढ़ रहा है व्यापक।।
नहीं जानते नतीजा, नशा करने वाले।
कर रहे अपने आपको, मौत के हवाले।।
नशा करने वालों की, होती नहीं भलाई।
नशा है सचमुच, एक सामाजिक बुराई।।
जीवन अनमोल धरोहर, ईश्वर का रूप।
नशे के फेर में, मिट गये अनेकों भूप।।
जर, जोरू, जमीं और, बिक गये मकान।
नशे में जीने वालों के, मिट गये निशान।।

4. स्वरचित कविता लेखन प्रतियोगिता /अंग्रेजी/का परिणाम

प्रथम पुरस्कार

Siddharth Shrivastava
Kali Mai Santar, Morar
Gwalior

Narcotic drug is a highly harmful material
that makes a person quite closer to his burial.
Tobacco, alcohol, heroin etc. are all such examples
whether brown sugar, smack or opium samples.
Man consequenty takes them in higher concentration
which results is a deadly devastation.
Teenagers try it as an attraction
and get sucked deeper to its addiction.
Their heart of love, affection is all torn
and hate, anger, hesitation, shame are born.
They forget to show respect and care their loved ones
whether their parents, wives, daughter or sons.
What a confusing and typical mess-
buying deaths just ot overcome stress!
Narcotic drug is not a right choice,
either keep suffering or raise your voice.
Narcotic is a parasite for the generations
which may spoil the future of the nation.
Leave “narcotic drugs” and prove yourself strong
or else the humanity will go wrong.

द्वितीय पुरस्कार

Ramendra Singh Chauhan
G-24, Hanuman Nagar, Gole Ka Mandir,
Gwalior

You don't need heroin to be hero
It infacts turns you to zero
Don't turn your life into hive
Stay alive, don't drink & drive
Be it charas, Opium or Marizuana
Far better from them is to have a banana
Why to prefer to not be in your sense
Why to make life so complex & dense
Always remember you are not a toy
There is so much good to do, to enjoy
Respect the life which god has given you
And treat it being fully honest & true.

तृतीय पुरस्कार

Dr. Arya Mitra Shastri
Ashok Medical Hall, Gorav Sadan, Rly. New Colony
Gwalior, M.P.

Leave all the toxicative things my dears,
Get away the toxition, death & the fears.
Toxicative things invite diseases & the death.
We have to face the trouble, sorrows & the breath.
We must live happlily here for one hundred years.
Leave all the toxicative things my dear.
Ganja, Charas, Opium invite the death early.
They make us addicts & let us make to pass early.
So we must be alert enough to check the fears.
Leave all the toxicative things my dears.
People waste in toxication daily their wealth.
People waste in toxication daily their health.
We must check the same should check to pour tears.
Leave all the toxicative things my dears,
Wild animals kill at once but the drugs by & by.
Drugs are the bugs & the bugs kill by &by.
Charas & Opium are lions & tigers & bears.
Leave all the toxicative things my dears.

केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो, कार्यालय नारकोटिक्स आयुक्त,19,माल रोड, मुरार, ग्वालियर द्वारा जन–जागृति हेतु मादक पदार्थो के दुरूपयोग के विरूध्द विश्व नशा मुक्ति दिवस '26 जून 2011' के अवसर पर मादक पदार्थो के सेवन से बचने की प्रेरणा देने वाली स्वरचित कविता (Self Composed Poems) तथा नारा लिखने की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था। केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो को उपरोक्त दोनों प्रतियोगिताओं के लिए भारी मात्रा में रचनायें प्राप्त हुयी हैं। प्राप्त सभी रचनाओं की जांच एक प्रबुद्ध समिति द्वारा करायी गयी है। इन रचनाओं में से समिति द्वारा सभी श्रेणियों में पायी गयी सर्वश्रेष्ठ तीन–तीन रचनाओ एवं उसे भेजने वाले व्यक्तियों का नाम विभाग के बेवसाइट http://ww.cbn.nic.in/ पर देखी जा सकती है। उपरोक्त सभी विजेताओं को उनकी पुरस्कार राशि 15 अगस्त, 2011 को प्रदान की जायेगी ।

नारकोटिक्स आयुक्त
केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो